

## Programme Learning Outcome

प्रोग्राम	प्रोग्राम संबंधित आउटकम	शिक्षण अधिगम प्रक्रिया
एम.ए (हिन्दी)	<ol style="list-style-type: none"><li>1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के प्रारंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।</li><li>2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा.</li><li>3. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।</li><li>4. छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे।</li><li>5. व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कंप्यूटर जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर पढ़ाना, जिससे बाजार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके।</li><li>6. हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा।</li></ol>	<ul style="list-style-type: none"><li>• कक्षा व्याख्यान</li><li>• सामूहिक चर्चा</li><li>• विभागीय व्याख्यान</li><li>• आंतरिक मूल्यांकन</li><li>• फिल्म स्क्रीनिंग</li><li>• प्रोजेक्ट निर्माण</li><li>• प्रश्नोत्तरी</li><li>• कार्यशाला</li><li>• साहित्यिक यात्रा</li><li>• लिखित परीक्षा</li></ul>

	<p>7. साहित्य के सौंदर्य, कलाबोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना।</p> <p>8. साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना। कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।</p> <p>9. साहित्य के आदिकालीन संदर्भों से लेकर समकालीन रूप तक से परिचित कराना, जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के संबंध को परख कर पहचान सके।</p> <p>10. साहित्य विवेक का निर्माण करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी के दखल की जानकारी देकर मीडिया के प्रति आस्वादन का निर्माण करना।</p> <p>11. प्राचीन एवं नवीन भारतीय एवं पाश्चात्य सौंदर्य सिद्धांतों तथा काव्यशास्त्रीय प्रतिमानों का अध्ययन, विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।</p>	
--	---	--